तीसरी योजना में रेलवे के लिए विदेशी सहायता

८८१. **श्री अमर सिंह डामर :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तीसरी पंचवर्षीय योजना के लिये भारतीय रेलों को विदेशी संगठन और विश्व बैंक से कितनी धनराशि मिली है; और

(ख) उक्त धन राशि का ब्याज कितने प्रतिशत रखा गया है ?

रेल उप मन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). एक बयान सभा-पटल पर रख दिया गया है । [देखिये परिशिष्ट १, अनुबंध संख्या १०६] । जिसमें रेलवे से सम्बन्धित चालू ऋण और सहायता का उल्लेख किया गया है । जैसा कि बयान में बताया गया है इस ऋण और सहायता का कुछ भाग तीसरी आयोजना के खर्च के लिए है । तकनीकी तौर पर ये ऋण भारत सरकार ने लिये हैं, भारतीय रेलवे सीधे कोई ऋण नहीं लेती ।

किचनर रोड नई दिल्ली पर प्रसूति केन्द्र की इमारत

८८२. **श्री अमर सिंह डामर :** क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नई दिल्ली के किचनर रोड स्थित प्रसूति केन्द्र (मेटर्निटी सेन्टर) की इमारत के लिये कोई धन राशि स्वीकृत हुई है; और

(ख) यदि हां, तो उक्त प्रसूति केन्द्र की इमारत का निर्माण कार्य कब तक प्रारम्भ होने की सम्भावना है ?

स्वास्थ्य मन्त्री (श्री करमरकर) : (क) नई दिल्ली नगर पालिका ने बतलाया है कि इस केन्द्र के लिये २.१६ लाख रुपये का एक प्रारम्भिक प्राक्कलन स्वीकृत हो चुका है ।

(ख) इस कार्य के लिये टेण्डर आमंत्रित किये जा रहे हैं और यदि दरें उचित हुईं तो आशा है कि दो महीने के बाद कार्य प्रारम्भ हो जायेगा ।

रेलवे में चोरियां और डकैतियां

८८३. **श्री प० ला० बारूपाल :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १९६०-६१ में भारतीय रेलों में चोरी और डकैती के कितने मामले दर्ज किये गये ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री सें० वें० रामस्वामी) आवश्यक सूचना मंगायी जा रही है और मिलने पर सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

तीसरी श्रेणी के रेलवे डिब्बे

८८४. **श्री प० ला० बारूपाल :** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि तीसरी श्रेणी के बहुत से पुराने डिब्बों में अभी तक पंखे नहीं लगाये गये है और उन में से कुछ की खिड़कियां बाहर को खुलती हैं; और

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इसे ठीक करने के लिये क्या पग उठाये हैं ?

रेलवे उपमन्त्री (श्री शाहनवाज खां) : (क) और (ख). तीसरे दर्जे के जिन पुराने डिब्बों को ५ साल से अधिक समय तक काम में लाया जा सकता है, उनमें पंखे लगाये जा रहे हैं । ३१-३-६१ को लाइन पर तीसरे दर्जे के कुल १८,०३५ पुराने डिब्बों में से १३,७१६ डिब्बों में पंखे लगा दिये गये हैं, और २,२२६ डिब्बों में पंखे नहीं लगाये जायेंगे क्योंकि उनके चलने की अवधि पांच साल से कम रह गयी है । बाकी २,०९३ डिब्बों में रकम और सामान मिलने पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंखे लगाये जा रहे हैं ।

किसी डिब्बे की खिड़कियां बाहर की ओर नहीं खुलतीं । दिसम्बर, १९५६ में रेलों को आदेश दिया गया था कि १-४-५६ को जो